A–595

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–502

सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन–01

MA JYOTISH (MAJY)

1st Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्योतिषशास्त्र का विस्तृत परिचय प्रदान करते हुए समाज में ज्योतिष की उपयोगिता को प्रतिपादित कीजिए।

2. ग्रहों की भगण व्यवस्था को व्याख्यायित कीजिए।

3. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ''काल'' की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

4. ग्रह कक्षा क्रम का विवेचन विस्तृत रूप से कीजिए।

5. भूगोलस्वरूप की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सिद्धान्त ज्योतिष का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

2. भूपरिधि एवं भूव्यास के सम्बन्ध के बारे में लिखिए।

3. स्पष्ट भूपरिधि आनयन प्रक्रिया को सोदाहरण समझाइए।

4. ग्रहों की विभिन्न गतियों के बारे में लिखिए।

5. मूर्तकाल का विवेचन कीजिए।

6. अमूर्तकाल को व्याख्यायित कीजिए।

7. भचक्र व्यवस्था के बारे में लिखिए।

8. सूर्यसिद्धान्त ग्रन्थ के आधार पर विभिन्न ग्रहों के भगण मान लिखिए।

****